

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

तत्त्वाद एव व्यवहार सुनाविष जीवादी
प्रस्तुतिवैष्णव एव जल से नीं लेवा जाते न
हो इतना आज वास्तविकी वे जल है।



मोबाइल : ९८७६५४३२१०
फ़ॉक्स : ००९१-८७६१) २४४२६०१
 (भारतीय)
 २४४२६५२ (भारतीय)
फैसल : १०९१ ८७६१ ८०४१७६८
 E-mail :
 joes_gw@rediffmail.com
 Website :
<http://www.jiwaji.edu/>

प्रेषण :
कुलसंघिच,
गीताची विष्णविहालय
म्बालिच.

કુદાજીના : ૦૭૯/અમબાલ/૨૦૧૨/ ૫૭૪૧

दिनांक : 13/12/12

अधिसूचना //

विष्वविद्यालय अधिकारियम् 1973 की तारीख 26(i)(v) एवं 24(xii) के अनुरूपत वार्षिकरिष्ट की पैकी दिनांक 07 जनवरी, 2012 के पद क्रांति (02) के विनाशकुलात् विश्ववाच प्रतापरिषत् कॉलेज ऑफ़ साइंस एवं ऐनेजेसन, लहार, वित्त-विज्ञ तथा सत्र 2011-12 के लिये प्रस्तुतिःलापितानि ये बी.ए. द्वितीय वर्ष, बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष, बी.एच.एस.सी. द्वितीय वर्ष, बी.एस.-सी. द्वितीय वर्ष, (आ.पा. परिषित, दातावाच, अधिकारिय, अधिकारिय, वाची, मानवशब्दविज्ञानी, कम्प्यूटर साइंस प्राविकान के लिये अधिकारिय, राजनीतिज्ञ विज्ञानी के लागत प्रबन्ध की जाती है।

शर्तों/प्रतिक्रिया :-

1. महाविद्यालय द्वारा बी.एच.एस.-डी. पाठ्यक्रम का संपादन करते स्वामी गाहटा है।
 2. महाविद्यालय ने छोल कर मैटर विप्रियता दिए ताके भी आवश्यकता है।
 3. उत्तरी योगदानाती विप्रियता का प्रस्तुत्याकाश की विप्रियता बढ़ती है।
 4. विप्रियता द्वारा एवं प्राचीर २८(१) अंतिम विप्रियता दिए गये हैं।
 5. विप्रियता द्वारा एवं २८ के सम्बन्धित एवं पूर्ण प्रस्तुत्याकाश की आवश्यकता है।
 6. पुस्तकालय ने विप्रियता द्वारा उत्तरी योगदान का अनुबुद्धि पुस्तकों का विप्रियता अभ्यास है। वर्तमान ने आवश्यकता द्वारा जब अबले सभा ने अग्रले टेंजेस्टर में यादें तो उसके पाठ्यप्रस्त्र उत्तरी पाठ्यप्रस्त्र में संबंधित पुस्तकों की प्रत्येक में पाठ्यक्रम के रु. 20,000/- मूल्य की पुस्तकों नीचे वर्णन की जानी शामिल है।
 7. प्रकल्पकार द्वारा ने संबंधित दिए गये हैं। वी.टी.ए. नीचे लिखिती संदर्भ को द्वारा ने ट्रॉले तुरा जीवनित Configuration के १० क्रमांक द्वारा दिए जाने शामिल हैं। क्रमांक नं.१० से संबंधित लीजित स्थानोंवेष्यर आवश्यकता द्वारा उत्तरी योगदान के अन्तर्गत पर द्वारा विद्या लाना वाहिर तथा स्वयंकर एवं अव्याप्त विविहार को अन्तर्गत करें।
 8. बी.एच.एस.-डी. पाठ्यक्रम के लिए प्रयोगशाला मुख्यता अपवाहन है।
 9. बी.एच.एस.-डी. और बी.डी.ए. पाठ्यक्रम ने विप्रियता द्वारा उत्तरी योगदान ६० है। महाविद्यालय के पास पर्याप्त ग्रन्थी वे परन्तु उत्तरी योगदान के लिए वैदेश व्यवस्था अपवाहन है।

आदेशावलार

३०८
कलसविव

४८

1. पारावर्ज, विश्ववाच प्रतापार्थिन कौटेज ग्रॉफ लांड मैनेजमेंट, लाला, जिला-मिष्ट
 2. आपसुक, मार्गप्रदेश शहर, उत्तर प्रदेश भिलाई, लालूपुरा गांव, झोपाल।
 3. शेंगोवी अतिक्रिया लंगलाल, मध्यप्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश विधान, बालियट-नंबेल संभाग, जोती महल परिसर, खालियर।
 4. एप कुलाराचिर (पर्यावरण और पर्यावरण) जीवानी विश्वविद्यालय, ज्ञानिवार।
 5. अपार्सन्ट व्हार प्रासांट-०३, लैंगामी विश्वविद्यालय, ज्ञानिवार यी ओट सुखिनिर्ध एवं आवश्यक कार्यक्रमी हैं।

राहायक कूलसारिय (खल्कुता)